भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 01 जुलाई, 2025
जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सक्रिय मानसून की स्थिति जारी रहने की संभावना है, तथा आज मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥ 20 सेमी) होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों का वास्तविक मौसम (01 जुलाई, 2025 की 0830 IST तक):

भारी से अत्यधिक भारी वर्षा:

- हिमाचल प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई।
- ओडिशा, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, पूर्वी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई।
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, गुजरात राज्य, झारखंड, तेलंगाना, कोंकण और असम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई।

तूफान और तेज हवाएँ:

- हिमाचल प्रदेश, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अलग-अलग स्थानों पर 60-90 किमी/घंटा की गति के साथ तूफान और तेज/झोंकेदार हवाएँ।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, झारखंड, तमिलनाडु, रायलसीमा, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर 40-60 किमी/घंटा की गति के साथ तूफान।

अधिक जानकारी के लिए: कृपया अनुबंध I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध II और III देखें):

मौसम प्रणालियाँ:

- गंगा के पश्चिम बंगाल और निकटवर्ती उत्तरी ओडिशा के ऊपर निम्न दबाव का क्षेत्र आज, 01 जुलाई 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक झारखंड और आसपास के क्षेत्र में बना हुआ है। इससे संबंधित चक्रवाती परिसंचरण मध्य-क्षोभमंडलीय स्तर तक विस्तारित है। इसके अगले 24 घंटों में झारखंड के पार धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- मानसून ट्रफ सक्रिय है और यह औसत समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश से झारखंड और आसपास के क्षेत्र में निम्न दबाव क्षेत्र से संबंधित चक्रवाती परिसंचरण तक एक ट्रफ दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश के पार निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में फैला हुआ है।
- मध्य असम के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्वी और मध्य भारत:

- **01 जुलाई को:** मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥20 सेमी) की बहुत संभावना।

- **01-07 जुलाई के दौरान:** मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा; बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, झारखंड, ओडिशा में 01-05 जुलाई के दौरान भारी वर्षा; मध्य प्रदेश में 02 और 05-07 जुलाई को बहुत भारी वर्षा; झारखंड में 01 जुलाई को; ओडिशा में 01-03 जुलाई के दौरान बहुत भारी वर्षा।
- अगले 7 दिनों तक क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली की संभावना।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- **01 जुलाई को:** पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥20 सेमी) की बहुत संभावना।
- **01-07 जुलाई के दौरान:** हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान में भारी वर्षा; उत्तर प्रदेश में 01-05 जुलाई; पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 01 और 05-07 जुलाई; पश्चिमी राजस्थान में 01-04 जुलाई; हिमाचल प्रदेश में 01, 02 और 05-07 जुलाई को बहुत भारी वर्षा; उत्तराखंड में 02 जुलाई को; पंजाब में 06 और 07 जुलाई को; हरियाणा में 01, 06 और 07 जुलाई को; उत्तर प्रदेश में 01 और 02 जुलाई को; पूर्वी राजस्थान में 01-04 जुलाई के दौरान बहुत भारी वर्षा।
- अगले 7 दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और 30-40 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाओं की संभावना।

पश्चिमी भारत:

- कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और सौराष्ट्र और कच्छ में भारी वर्षा की संभावना अगले 7 दिनों तक।

पूर्वोत्तर भारत:

- अगले 7 दिनों तक पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- **01 जुलाई को:** तटीय आंध्र प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा।
- **01 और 02 जुलाई को:** तेलंगाना में भारी वर्षा।
- **02-05 जुलाई के दौरान:** केरल और माहे में भारी वर्षा।
- **02-07 जुलाई के दौरान:** तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में भारी वर्षा।
- **03-07 जुलाई के दौरान:** दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में भारी वर्षा।
- अगले 7 दिनों तक दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में 40-50 किमी/घंटा की गति वाली तेज सतही हवाएँ बहुत संभावित।
- केरल और माहे, लक्षद्वीप, तटीय कर्नाटक में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा में अलग-अलग/बिखरी हुई वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना।

गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 01 और 02 जुलाई को गर्म और आर्द्र मौसम की संभावना।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को 01 जुलाई से 06 जुलाई 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी जाती है:

अरब सागर:

- गुजरात, कोंकण, गोवा तटों के साथ और उसके बाहर; सोमालिया तट और निकटवर्ती समुद्री क्षेत्रों, ओमान और निकटवर्ती यमन तट और निकटवर्ती समुद्री क्षेत्रों के साथ; मध्य और निकटवर्ती उत्तरी, दक्षिणी अरब सागर में दिन 1 से दिन 5 (01 से 06 जुलाई); उत्तरी अरब सागर के अधिकांश हिस्सों में दिन 1 और दिन 2 (01 और 02 जुलाई), उत्तर-पूर्व और उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में दिन 3 (02 जुलाई), उत्तरी अरब सागर के दक्षिणी हिस्सों में दिन 4 और दिन 5 (04 और 05 जुलाई)।

बंगाल की खाड़ी:

- उत्तरी आंध्र प्रदेश तट के साथ और उसके बाहर दिन 1 से दिन 5 (01 से 06 जुलाई); ओडिशा, पश्चिम बंगाल तटों के साथ और उसके बाहर दिन 1 और दिन 2 (01 और 02 जुलाई); मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में दिन 1 से दिन 4 (01 से 05 जुलाई), मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में दिन 5 (05 जुलाई); दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और मन्नार की खाड़ी के कुछ उत्तरी हिस्सों में दिन 3 (03 जुलाई); दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ उत्तरी हिस्सों में दिन 4 (04 जुलाई); पूरे उ北方 बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर में दिन 1 (01 जुलाई), उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में दिन 2 (02 जुलाई)।

मछली पकड़ने के कार्यों का पूर्ण निलंबन: उपरोक्त क्षेत्रों और तिथियों में मछली पकड़ने के कार्यों को पूरी तरह से निलंबित करने का सुझाव दिया गया है।

ii. 01 से 04 जुलाई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

पिछले 24 घंटों में आज, 1 जुलाई को सुबह 8:30 बजे IST तक दर्ज की गई वर्षा (सेमी में):

हिमाचल प्रदेश: मंडी (जिला मंडी) 22; पंडोह (जिला मंडी) 21; बिजाही (जिला मंडी) 20; करसोग (जिला मंडी) 16; पालमपुर (जिला कांगड़ा), चौपाल (जिला शिमला) 14 प्रत्येक; गोहर (जिला मंडी) 12; कोटखाई (जिला शिमला) 8; नदौन (जिला हमीरपुर), नरकंडा AWS (जिला शिमला), कांगड़ा AP (जिला कांगड़ा), सुजानपुर तीरा (जिला हमीरपुर) 7 प्रत्येक।
पूर्वी उत्तर प्रदेश: पलियाकलां (जिला खीरी) 21; फतेहपुर तहसील (जिला बाराबंकी) 16; अयोध्या (जिला अयोध्या), ककरधारीघाट (जिला श्रावस्ती) 10 प्रत्येक; वाराणसी BHU (जिला वाराणसी) 9; छिबरामऊ (जिला कन्नौज) 8; फुरसतगंज (जिला अमेठी), सिरौली गौसपुर तहसील (जिला बाराबंकी), बहराइच (जिला बहराइच), बिंदकी (जिला फतेहपुर) 7 प्रत्येक।
पश्चिमी मध्य प्रदेश: मुरैना-AWS (जिला मुरैना) 20; ग्वालियर (जिला ग्वालियर) 10; बांखेड़ी (जिला नरसिंहपुर), घटीगांव (जिला ग्वालियर) 8 प्रत्येक; अलीपुर (जौरा) (जिला मुरैना), अंबाह (जिला मुरैना), बैरद (जिला शिवपुरी) 7 प्रत्येक।
ओडिशा: बमरा (जिला संबलपुर) 18; बलिसंकरा (जिला सुंदरगढ़) 11; कोटपद (जिला कोरापुट) 10; टेंसा (जिला सुंदरगढ़), जयपुर (जिला कोरापुट), मथिली (जिला मलकानगिरी) 9 प्रत्येक; ठ. रामपुर (जिला कालाहांडी), कुटरा (जिला सुंदरगढ़) 8 प्रत्येक; कोरापुट (जिला कोरापुट), दैतारी (जिला क्योंझर), लमटापुट (जिला कोरापुट), नंदपुर (जिला कोरापुट), बिजातला (जिला मयूरभंज), नवरंगपुर PTO (जिला नवरंगपुर) 7 प्रत्येक।
छत्तीसगढ़: शंकरगढ़ (जिला बलरामपुर) 16; औंधी (जिला मोहला मानपुर चौकी) 12; अंतागढ़ (जिला कांकेर) 9; खडगांव (जिला मोहला मानपुर चौकी) 8; रमनुजगंज (जिला बलरामपुर), दुर्गकोंडल (जिला कांकेर), पखनजुर (जिला कांकेर), मानपुर (जिला मोहला मानपुर चौकी) 7 प्रत्येक।
पूर्वी मध्य प्रदेश: बडमलहरा (जिला छतरपुर) 16; ओरछा (जिला निवारी), बिजावर (जिला छतरपुर) 15 प्रत्येक; हर्रई (जिला छिंदवाड़ा) 10; पलेरा (जिला टीकमगढ़) 9; छतरपुर-AWS (जिला छतरपुर) 8; गदरपुरा (जिला नरसिंहपुर), हनुमना (जिला रीवा), बलदेवगढ़ (जिला टीकमगढ़), पृथ्वीपुर (जिला निवारी), मोहनगढ़ (जिला टीकमगढ़) 7 प्रत्येक।
पूर्वी राजस्थान: बारी (जिला धौलपुर) 16; धौलपुर तहसील SR (जिला धौलपुर) 14; सपाऊ SR (जिला धौलपुर), अलवर Obs (जिला अलवर) 11 प्रत्येक; सरमथुरा SR (जिला धौलपुर) 10; बसेरी SR (जिला धौलपुर), भरतपुर तहसील SR (जिला भरतपुर) 9 प्रत्येक; बयाना (जिला भरतपुर), अलवर SR (जिला अलवर) 8 प्रत्येक; राजखेड़ा (जिला धौलपुर) 7।
मध्य महाराष्ट्र: राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 14; शाहूवाडी (जिला कोल्हापुर), गगनबावड़ा (जिला कोल्हापुर) 9 प्रत्येक; महाबलेश्वर (जिला सतारा), लोनावाला ARG (जिला पुणे) 8 प्रत्येक; त्र्यंबकेश्वर (जिला नासिक) 7।
गुजरात क्षेत्र: कपड़दा (जिला वलसाड) 11; व्यारा (जिला तापी) 10; कालोल (जिला पंचमहल) 8; बारडोली (जिला सूरत), सोंगढ़ (जिला तापी) 7 प्रत्येक।
झारखंड: बाउ कांके (जिला रांची), हेरहंज (जिला लातेहार) 11 प्रत्येक; पांकी (जिला पलामू), कुर्देग (जिला सिमडेगा), भुरकुंडा (जिला रामगढ़) 9 प्रत्येक; ढलभूमगढ़ (जिला पूर्वी सिंहभूम) 8; गोइलकेरा (जिला पश्चिमी सिंहभूम) 7।
असम और मेघालय: मजबट (जिला उदलगुरी), मजबट ARG (जिला उदलगुरी), तेजपुर (जिला सोनितपुर) 11 प्रत्येक; सोनारी ARG (जिला चराइदेव) 9; मावसिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 7।
पश्चिमी उत्तर प्रदेश: राठ (जिला हमीरपुर), मुजफ्फरनगर (जिला मुजफ्फरनगर) 10 प्रत्येक; खैरागढ़ (जिला आगरा), ओराई (जिला जालौन) 9 प्रत्येक; झांसी (जिला झांसी) 7।
बिहार: इंद्रपुरी (जिला रोहतास) 9।
तेलंगाना: जगदेवपुर (जिला सिद्दीपेट) 8।
सौराष्ट्र और कच्छ: रनवाव (जिला पोरबंदर), कालावड (जिला जामनगर) 8 प्रत्येक; मानवदर (जिला जूनागढ़), जूनागढ़ (जिला जूनागढ़) 7 प्रत्येक।
हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली: जगाधरी (जिला यमुना नगर), रेवेन्यू ऑफिस AWS (जिला चरखी दादरी), झज्जर AWS (जिला झज्जर) 8 प्रत्येक; दादरी (जिला चरखी दादरी), नगीना REV (जिला नूंह) 7 प्रत्येक।
कोंकण और गोवा: पोलादपुर (जिला रायगढ़) 7।

पिछले 24 घंटों में आज, 1 जुलाई को सुबह 8:30 बजे IST तक दर्ज की गई तेज हवाओं की गति (किमी/घंटा):
हिमाचल प्रदेश: रिकांग पियो-67, बजौरा-39।
मध्य महाराष्ट्र: विल्होली (नासिक)-61, कुर्वांदे (पुणे)-61, महाबलेश्वर (सतारा)-57।
पंजाब: सलेरन (होशियारपुर)-59; जालंधर-44; मोगा-37।
पश्चिमी मध्य प्रदेश: उज्जैन-54।
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरमा-52, रंगट_निम्बुतला-35, स्वराज_दीप-35, मायाबंदर-31।
मराठवाड़ा: अंबेजोगाई (बीड)-50, जलना-43, तुलगा (धाराशिव)-41।
झारखंड: बरही-46, गिरिडीह-बेंगाबाद-33, गोड्डा-17।
कोंकण: सांताक्रूज-46।
बिहार: आईटीटी-पटना-44, बांका-43, शेखपुरा-39, पूर्वी चंपारण-35, सरैया-35, भोजपुर, दुमारांव, सुखेत-33, खगड़िया, मधेपुरा, पूसा, सुपौल-31।
पूर्वी उत्तर प्रदेश: फुरसतगंज (AWS)-43, बाराबंकी, गोरखपुर (AWS) और इंटीग्रल_यूनिवर्सिटी-39 प्रत्येक।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	1- Jul	2- Jul	3- Jul	4- Jul	5- Jul	6- Jul	7- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
7	ODISHA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
14	PUNJAB	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	FWS	WS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
25	MARATHWADA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
26	VIDARBHA	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

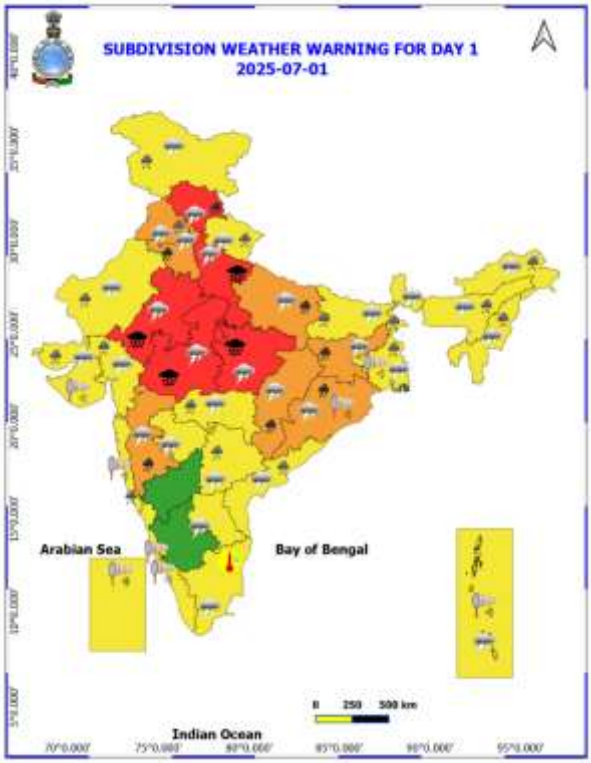
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-07-01
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

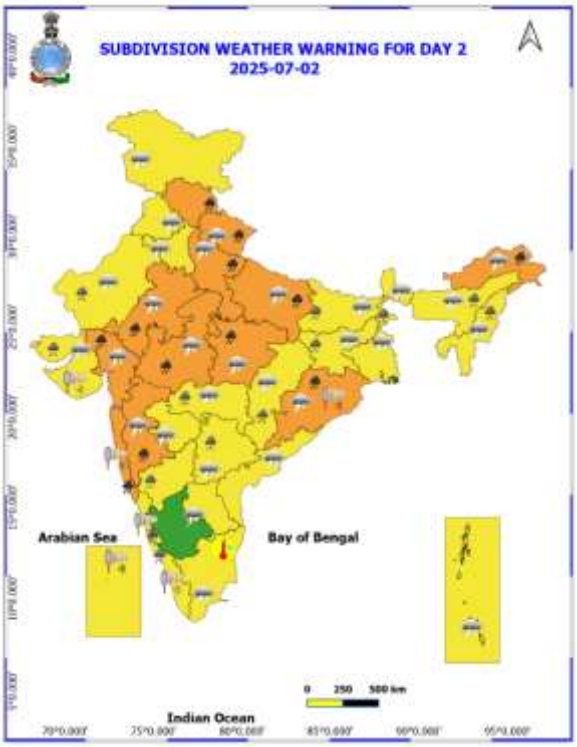
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-07-02
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

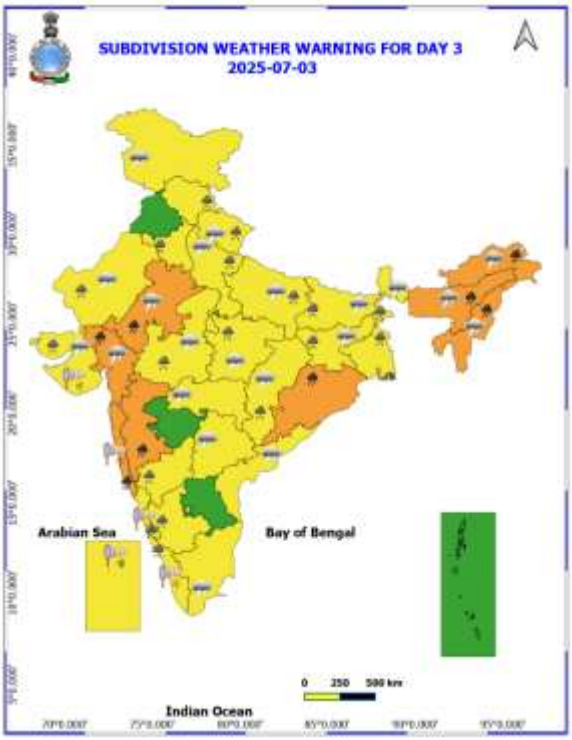
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-07-03
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

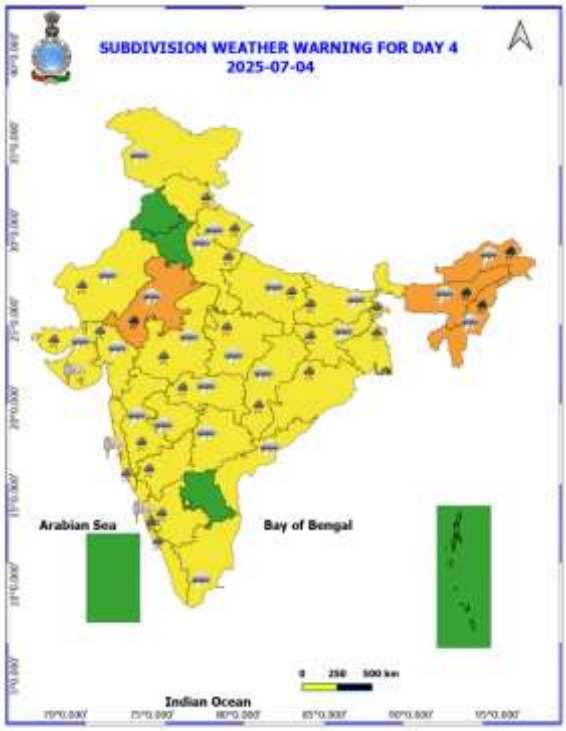

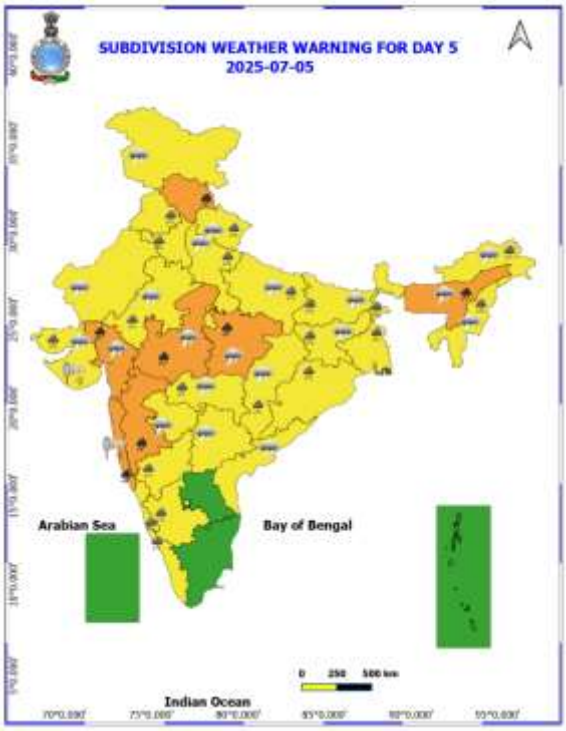

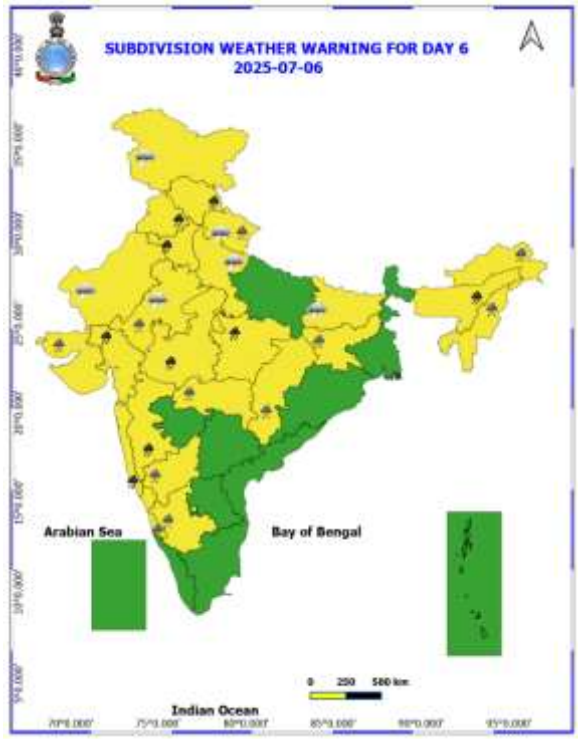

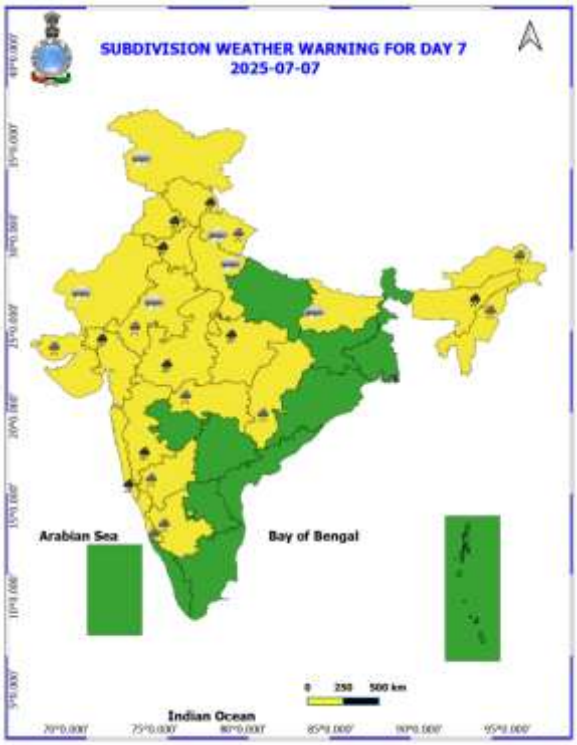

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर में 01 से 04 जुलाई 2025 के दौरान मौसम पूर्वानुमान

पिछले 24 घंटों का मौसम:

- दिल्ली में पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ, जबकि अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई।
- अधिकतम तापमान 29-31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23-26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहा।
- न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 6-7 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा।
- सामान्यतः बादल छाए रहे, और प्रमुख सतही हवाएँ दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा की गति के साथ रहीं।
- दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में बहुत हल्की से हल्की वर्षा दर्ज की गई।
- आज सुबह के समय क्षेत्र में सामान्यतः बादल छाए रहे, और पूर्व दिशा से 10 किमी/घंटा से कम गति की हवाएँ रहीं।

मौसम पूर्वानुमान:

01 जुलाई 2025:

- आकाश आंशिक रूप से बादल छाया रहेगा।
- बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली की संभावना।
- अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना।
- अधिकतम तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा।
- प्रमुख सतही हवाएँ दोपहर में पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा से कम गति की होंगी।
- हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर शाम और रात के दौरान पूर्व दिशा से 10-15 किमी/घंटा हो जाएगी।

02 जुलाई 2025:

- आकाश आंशिक रूप से बादल छाया रहेगा।
- बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली की संभावना।
- अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना।
- न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा।
- प्रमुख सतही हवाएँ सुबह के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी/घंटा से कम गति की होंगी।
- हवा की गति दोपहर में धीरे-धीरे कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 08 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।
- शाम और रात के दौरान हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

03 जुलाई 2025:

- आकाश आंशिक रूप से बादल छाया रहेगा।
- बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली की संभावना।
- अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना।
- न्यूनतम तापमान सामान्य के निकट और अधिकतम तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा।
- प्रमुख सतही हवाएँ सुबह के समय दक्षिण दिशा से 15 किमी/घंटा से कम गति की होंगी।
- हवा की गति दोपहर में धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।
- शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर दक्षिण दिशा से 12 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

04 जुलाई 2025:

- आकाश आंशिक रूप से बादल छाया रहेगा।
- बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली की संभावना।
- अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना।
- न्यूनतम तापमान सामान्य के निकट और अधिकतम तापमान सामान्य से 4-6 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा।
- प्रमुख सतही हवाएँ सुबह के समय उत्तर-उत्तर-पूर्व दिशा से 08 किमी/घंटा से कम गति की होंगी।
- हवा की गति दोपहर में धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।
- शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर दक्षिण दिशा से 10 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- सावधानी और सतर्कता: वर्षा की संभावना को देखते हुए सावधानी बरतें और आवश्यक सतर्कता उपाय अपनाएँ।
- संभावित प्रभाव:
    - सड़कों पर स्थानीय बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव, और शहरी क्षेत्रों में मुख्य रूप से अंडरपास बंद होने की संभावना।
    - भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
    - प्रमुख शहरों में सड़कों पर जलभराव के कारण यातायात में व्यवधान और यात्रा समय में वृद्धि।
- सुझाए गए उपाय:
    - अपने गंतव्य के लिए निकलने से पहले यातायात की स्थिति और मार्ग की जाँच करें।
    - इस संबंध में जारी किसी भी यातायात परामर्श का पालन करें।
    - उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
    - कमजोर संरचनाओं में रहने से बचें।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 01 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी) होने की संभावना है।
- 01, और 02 को तथा 05-07 के दौरान हिमाचल प्रदेश में बहुत भारी वर्षा; 02 को उत्तराखंड; 06 और 07 को पंजाब; 01, 06 और 07 को हरियाणा; 01 और 02 जुलाई को उत्तर प्रदेश और 01-04 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान; 02 को तथा 05-07 के दौरान मध्य प्रदेश; 01 को झारखंड; 01-03 जुलाई के दौरान ओडिशा; 01-07 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय3, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **ओडिशा** में मक्का, मूंग, पपीता, केला और सब्जी वाली फसलों की बुवाई स्थगित कर दें। पहले से बोई गई धान की नर्सरी, मक्का और सब्जियों के खेतों से जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बीजों को बहने से रोकने के लिए धान और सब्जियों की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें। पपीते और केले के पौधों को तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए उन्हें मज़बूत लकड़ी का सहारा दें।
- **झारखंड में,** अरहर, रागी और धान की नर्सरी की बुवाई स्थगित कर दें। पहले से बोए गए मक्का के खेतों, धान और सब्जी की नर्सरियों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें। सब्जी वाली फसलों की नर्सरी को पॉलीथीन शीट से ढक दें।
- **पश्चिम मध्य प्रदेश** में मक्का की कटाई को स्थगित करें। बाजरा, सोयाबीन, अरहर और धान की नर्सरी की बुआई को स्थगित करें। जलभराव से बचने के लिए सब्जियों और बगानों से अतिरिक्त जल निकालने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। **पूर्वी मध्य प्रदेश** में, परिपक्व मक्का, मूंग और उड़द की कटी हुई फसल को सुरक्षित सथान पर रखें। पहले से बोए गए/रोपे गए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान की नर्सरी में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, सब्जियों और फलों के बागों में जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें। मिट्टी जनित रोगों की संम्भावना को कम करने के लिए टमाटर के पौधों से खरपतवार और निचली पत्तियां हटा दें। लताओं और लंबी सब्जी-वर्गीय फसलों (टमाटर, शिमला मिर्च आदि) के लिए सहारे को मजबूत बनाएँ। भारी बारिश के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के लिए आलूबुखारा, नाशपाती और स्टोन-फ्रूट के पके हुए फलों की तुड़ाई करें। मक्का की बुवाई और धान की रोपाई स्थगित करें। धान की नर्सरी और पहले से बोए गए मक्का के खेत से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- **उत्तराखंड** में, अरहर, मूंगफली, मक्का, गन्ना, बाजरा, रागी, पहले से बोई गई धान की नर्सरी, राजमा, उड़द, मूंग, सब्जी और बागों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। पकी हुई सब्जियों (कद्दू, टमाटर, भिंडी, मिर्च, फ्रेंच बीन आदि) और फलों को तोड़कर सुरक्षित स्थान पर रखें। गन्ने के पौधों को गिरनें से बचाने हेतु आपस में बांध दें।
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश** में, मक्का की बुआई स्थगित करें। पहले से बोई गई मक्का, धान की नर्सरी, अरहर, गन्ने और सब्ज़ियों, से अतिरिक्त पानी निकाल दें। गन्ने के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें आपस में बाँध दें। **पूर्वी उत्तर प्रदेश** में, अरहर और उड़द की बुआई स्थगित कर दें। देर से बोई गई धान की नर्सरी, मूंगफली, मूंग, मक्का और सब्जियों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था बनाए रखें।
- **पूर्वी राजस्थान** में भिंडी और कद्दूवर्गीय सब्जियों की कटाई कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर भण्डारित करें। मूंगफली और मूंग की फसल से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **पंजाब** में कपास, मक्का के खेतों और बागानों से अतिरिक्त पानी निकालनें की व्यवस्था बनाए रखें।
- **हरियाणा** में कपास और बाजरा के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- **गुजरात में**, बोई गई धान की नर्सरी, गन्ने के खेतों, केले और आम के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा प्रदान करें। **सौराष्ट्र और कच्छ में**, सब्जी की नर्सरी और बागवानी फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल निकाल दें। तीव्र हवाओं और भारी वर्षा से बचाने के लिए गन्ने को मजबूत बांस से सहारा दें या पत्तियों को एक साथ बांध दें।
- **कोंकण और गोवा** में, जलभराव से बचाव हेतु धान की नर्सरी, रागी तथा मूंगफली के खेतों और बागवानी फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों में,** जलभराव को रोकने के लिए धान की नर्सरी, सब्जियों और बगीचों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **अरुणाचल प्रदेश** में मक्के की फसल को अपवाह और मिट्टी के कटाव के कारण होने वाले नुकसान से बचाने के लिए, ढलान पर छोटे-छोटे बांध या समोच्च अवरोध बनाएं ताकि पानी का बहाव और मिट्टी का नुकसान कम हो सके। निचले इलाकों में धान की नई रोपाई से बचें। केले के पौधों को गिरने या तने के टूटने से बचाने के लिए बांस या लकड़ी के डंडों का उपयोग करके मजबूत सहारा प्रदान करें।

- **असम** में तिल, फॉक्सटेल बाजरा, बोरो धान, केला और नींबू की कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें। साली धान की नर्सरी, मक्का और गन्ने के खेतों, सुपारी और नारियल के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। असम के बराक घाटी क्षेत्र में, साली धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें।
- **मेघालय** में, विशेष रूप से घाटियों में धान,की नर्सरी की बुवाई स्थगित करें। मक्का, अदरक, फ्रेंच बीन, लोबिया, सब्जियों के खेतों और धान, की नर्सरी के आसपास जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। लोबिया, ककड़ी और लौकी को मजबूत बांस की डंडियाँ या जाली का सहारा दें ताकि बेलें गीली ज़मीन पर न लटकें। केले के पौधे को गिरने से बचाने के लिए उसे सहारा दें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

02-07-2025 के 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम फ्लैश फ्लड का खतरा होने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश - मंडी, कुल्लू, हमीरपुर, शिमला, सिरमौर और सोलन जिले।

उत्तराखंड - बागेश्वर, चमोली, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, उधम सिंह नगर जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा की वजह से मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

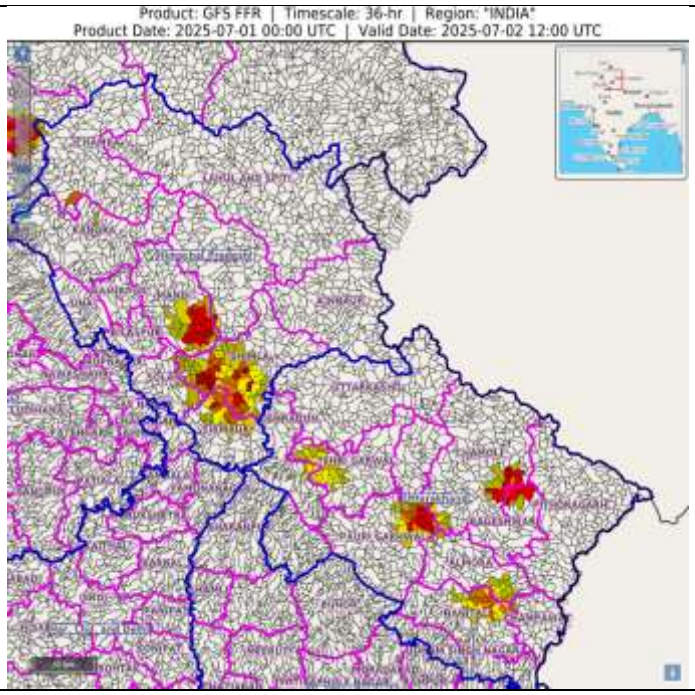

02-07-2025 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम से उच्च अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। ओडिशा - मयूरभंज, संबलपुर, जिले। झारखंड - चतरा, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गुमला, हज़ारीबाग, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, रांची, सरायकेला, सिमडेगा, रामगढ़, बोकारा, धनबाद, खूंटी और पश्चिमी सिंहभूम जिले। छत्तीसगढ़ - जशपुर, बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया, सरगुजा, कोरबा, रायगढ़, मुंगेली और बिलासपुर जिले। पश्चिमी मध्य प्रदेश - श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदेशा, शाजापुर, उज्जैन, आगर-मालवा, देवास, सीहोर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, झाबुआ और होशंगाबाद जिले। पूर्वी मध्य प्रदेश - सागर, टिमकगार, छतरपुर, दमोह, पन्ना, सतना, कटनी, नरसिम्हपुर, जबलपुर, मंडला, सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडोरी, अनूपपुर, उमरिया, शहडोल और सीधी जिले। पूर्वी राजस्थान - टोंक, सवाईमाधोपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, बूंदी, कोटा, बारां, हलावर, प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा जिले। जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।	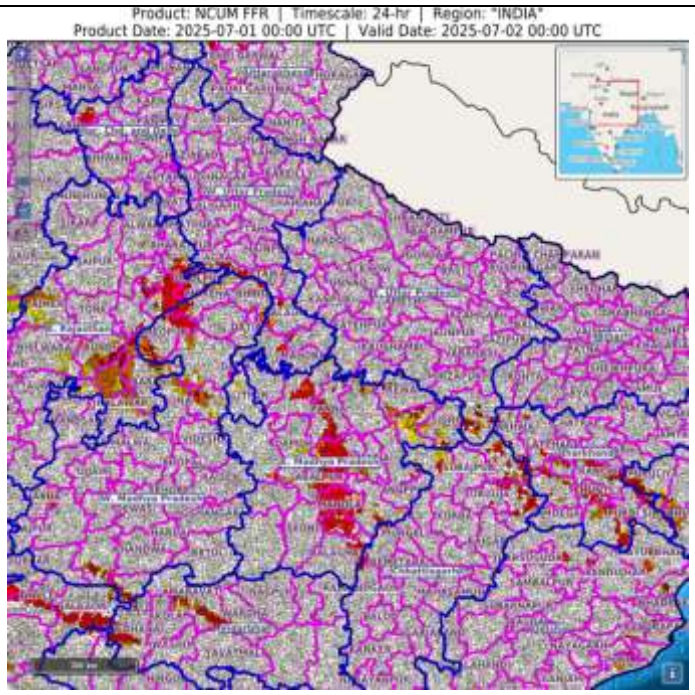

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

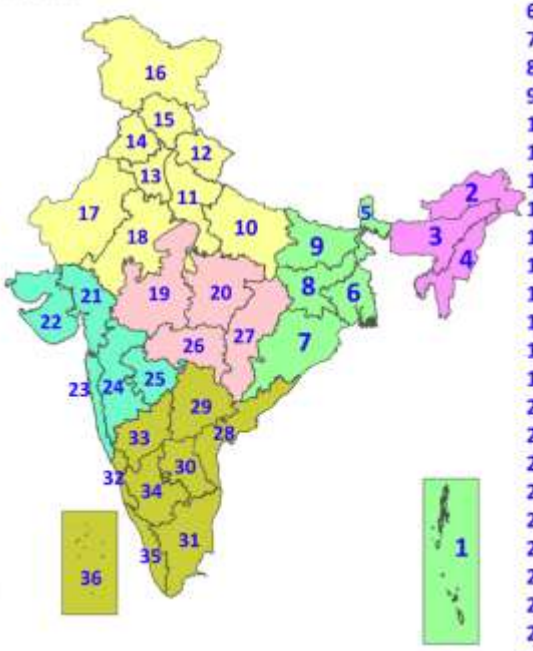

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)